(क) हिन्दी काव्य-साहित्य का काल विभाजन

काल	समय
1. आदिकाल (वीरगाथाकाल)	सन 743ई० से 1343ई० तक।
2. पूर्व-मध्यकाल (भक्तिकाल)	सन 1343 ई० से 1643ई० तक।
3. उत्तर-मध्यकाल (रीतिकाल)	सन 1643ई० से 1843ई० तक।
4. आधुनिक काल	सन 1043ई० से निरन्तर।

(ख) विभिन्न कालों के कवि एवं प्रसिद्ध रचनाएँ

आदिकाल के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रमुख रचनाएँ

प्रमुख कवि	कवि की प्रमुख रचनाएँ
1. चन्दबरदाई	पृथ्वीराज रासो
2. नरपति नाल्ह	बीसलदेव रासो
3. दलपति विजय	खुमाण / खुमान रासो

भक्तिकाल के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रमुख रचनाएँ

प्रमुख कवि	कवि की प्रमुख रचनाएँ
1. कबीरदास	बीजक, कबीर-ग्रन्थावली, कबीर वचनावली।
2. सूरदास	सूरसागर, साहित्यलहरी, गोवर्धन-लीला, सूरपचीसी।
3. तुलसीदास	श्रीरामचरितमानस, विनयपत्रिका, गीतावली, दोहावली, जानकी-मंगल, पार्वती मंगल।

रीतिकाल के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रमुख रचनाएँ

प्रमुख कवि	कवि की प्रमुख रचनाएँ
1. आचार्य केशवदास	रसिकप्रिया, कविप्रिया, नखशिख
2. बिहारी	बिहारी-सतसई
3. भूषण	शिवराज-भूषण, शिवाबावनी, छत्रसाल-दशक

आधुनिक काल के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रमुख रचनाएँ

प्रमुख कवि	कवि की प्रमुख रचनाएँ
1. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	प्रियप्रवास, रस-कलश, पद्य-प्रसून
2. मैथिलीशरण गुप्त	साकेत, जयद्रथ-वध, यशोधरा

(ग) विभिन्न काव्यधाराओं की विशेषताएँ, कवि, रचनाएँ

1. वीरगाथा काव्यधारा (आदिकाल) की विशेषताएँ

1. रासो ग्रन्थों की रचना
2. वीर रस एवं शृंगार रस की प्रधानता
3. आश्रयदाओं की प्रशंसा
4. डिंगल एवं पिंगल भाषा
5. प्रबन्ध एवं मुक्तक दोनों प्रकार की रचनाएँ

मुख्य कवि	प्रमुख रचनाएँ
1. चन्दबरदाई	पृथ्वीराज रासो
2. विद्यापति	पदावली, कीर्तिलता, कीर्तिपताका

2. भक्तिकाल निर्गुण काव्यधारा

(क) सन्त काव्यधारा (ज्ञानाश्रयी शाखा) की विशेषताएँ

1. निराकार परमात्मा के प्रति उपासना भाव
2. ज्ञान-प्राप्ति एवं गुरु को सर्वाधिक महत्व
3. ऊँच-नीच, जाति-पाँति के भेदों की आलोचना
4. रहस्यवादी भावना का निरूपण
5. पाखण्ड एवं बाह्याचारों की आलोचना

मुख्य कवि	प्रमुख रचनाएँ
सन्त कबीरदास	बीजक, कबीर-ग्रन्थावली, कबीर वचनावली
नानकदेव	गुरुग्रन्थ साहिब

(ख) सूफी काव्यधारा (प्रेमाश्रयी शाखा) की विशेषताएँ

1. प्रेम-भावना द्वारा परमात्मा की प्राप्ति
2. लौकिक प्रेम से अलौकिक प्रेम का सृजन
3. हिन्दू-संस्कृति का चित्रण
4. इतिवृत्तात्मक अतिश्योक्ति
5. फारसी मसनवी पद्धति

मुख्य कवि	प्रमुख रचनाएँ
1. जायसी	पद्मावत, अखरावट, आखिरी कलाम
2. उसमान	चित्रावली

सगुण (क) रामभक्ति काव्यधारा की विशेषताएँ

1. दास्य-भाव की भक्ति की प्रधानता
2. मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम को ईश्वर रूप मानकर उनका गुणगान
3. समन्वयकारी भावना
4. सामाजिक कल्याण भावना
5. अवधी एवं ब्रजभाषा का प्रयोग

मुख्य कवि	प्रमुख रचनाएँ
1. गोस्वामी तुलसीदास	श्रीरामचरितमानस, रामाज्ञा-प्रश्न, विनयपत्रिका
2. अग्रदास	रामाष्टयाम, रामध्यानमंजरी

(ख) कृष्णभक्ति काव्यधारा की विशेषताएँ

1. श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन
2. सखा-भाव की भक्ति की प्रधानता
3. वात्सल्य एवं शृंगार रस की प्रधानता
4. भावुकतापूर्ण सरलता
5. प्रकृति का उद्दीपन रूप में वर्णन

मुख्य कवि	प्रमुख रचनाएँ
1. सूरदास	सूरसागर, साहित्यलहरी, सूरपचीसी
2. नन्ददास	भँवरगीत, रसमंजरी, विरहमंजरी

3. रीतिकालीन काव्यधारा की विशेषताएँ

1. शृंगार रस की रचनाएँ
2. नारी-सौन्दर्य का विलासितापूर्ण चित्रण
3. आश्रयदाताओं की प्रशंसा
4. काव्यशास्त्रीय नियमों पर आधारित रचनाएँ
5. अलंकारों का चामत्कारिक प्रयोग

मुख्य कवि	प्रमुख रचनाएँ
1. केशवदास	जहाँगीर-जसचन्द्रिका, रतन-बावनी, कविप्रिया
2. बिहारी	बिहारी सतसई

4. आधुनिक कविता (द्विवेदी युग) की विशेषताएँ

1. यथार्थप्रधान भाव
2. स्वदेश-प्रेम की अभिव्यक्ति
3. समाज-सुधार की भावना
4. प्रतीकात्मकता
5. खड़ीबोली हिन्दी का प्रयोग

मुख्य कवि	प्रमुख रचनाएँ
1. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	प्रियप्रवास, वैदेही-वनवास, चुभते चौपदे
2. मैथिलीशरण गुप्त	साकेत, अनघ, यशोधरा

(क) छायावादी काव्यधारा की विशेषताएँ

1. रहस्यवाद की प्रधानता
2. मानवतावादी दृष्टिकोण
3. राष्ट्रीयता एवं नारी-महत्व का वर्णन
4. प्रतीकात्मकता
5. व्यक्तिवादी भाव एवं अतिशय भावुकता

मुख्य कवि	प्रमुख रचनाएँ
1. जयशंकर प्रसाद	झरना, लहर, आँसू, कामायनी
2. महादेवी वर्मा	नीहार, नीरजा, सन्धिनी, सप्तपर्णा

(ख) प्रगतिवादी काव्यधारा की विशेषताएँ

1. परम्परा का विरोध
2. शोषितों की दुर्दशा का चित्रण
3. क्रान्ति की भावना
4. मार्क्सवादी दर्शन का प्रभाव
5. सामाजिक विषमताओं का चित्रण

मुख्य कवि	प्रमुख रचनाएँ
1. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	जुही की कली , बेला
2. रामधारी सिंह 'दिनकर'	कुरुक्षेत्र , रश्मिरथी , सामधेनी

(ग) प्रयोगवादी काव्यधारा की विशेषताएँ

1. घोर वैयक्तिकता
2. अति-यथार्थवादी दृष्टिकोण
3. कुण्ठा और निराशा
4. सामाजिक एवं नैतिक व्यवस्था के प्रति विद्रोह
5. उपमानों तथा प्रतीकों की नवीनता

मुख्य कवि	प्रमुख रचनाएँ
1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'	आँगन के पार द्वार , हरी घास पर क्षणभर
2. भवानी प्रसाद मिश्र	गीतफरोश